डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 03 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

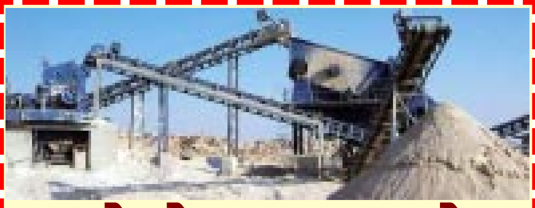

आधे से ज्यादा स्टोन क्रशर प्लांट अवैध..!

अब जरुरी हो गई पर्यावरणीय अनुमति, न्यायालय का आदेश

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में अब आधे से ज्यादा स्टोन क्रशर प्लांट अवैध हो गए है। जी हां, इसका कारण है कि जिला स्तरीय पर्यावरणीय अनुमति स्टोन क्रशर प्लांट चलाने के लिए नाकाफी है। अब प्रदेश स्तरीय पर्यावरणीय अनुमति प्लांट चलाने के लिए जरुरी हो गई है। इस संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल अर्थात एनजीटी ने सरकार को निर्देशित कर दिया है।

कुछ दिनों पहले इस संबंध में एक साल का समय सरकार ने दिया था। इसके बाद एनजीटी में मामले में फिर से सुनवाई हुई। जिसके बाद एनजीटी ने बीती 5 अक्टूबर को अपना निर्णय सुनाया है। स्टोन क्रेशर प्लांट के संचालन के लिए जिला स्तरीय पर्यावरणीय अनुमति को निरस्त कर दिया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल 'एनजीटी' ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वह नई व्यवस्थाएं बनाए। मंदसौर जिले की बात करें तो यहां करीब 45 स्टोन क्रेशर प्लांट चल रहे हैं। जिसमें लगभग 20 के पास भोपाल की अनुमति है। शेष सभी जिला स्तरीय पर्यावरणीय अनुमति से चल रहे है। लेकिन, कार्यवाही के मामले में अभी भी खनिज विभाग उदासीन बना हुआ है।

यह है मामला–एनजीटी में याचिकाकर्ता रीवा निवासी बीके माला ने बताया कि उन्होंने रीवा में नियम विरुद्ध संचालित प्लांट पर कार्रवाई और नियमों का सख्ती से पालन करवाने को लेकर याचिका लगाई थी। सुनवाई के दौरान एनजीटी ने हरियाणा से जुड़े उस मामले का संदर्भ दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने जिला स्तरी की कमेटी द्वारा जारी पर्यावरणीय अनुमतियां निरस्त कर दी थी। बाद में सरकार ने एक साल का समय अनुमति लेने के लिए दिया। लेकिन पांच अक्टूबर को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने साफ कर दिया है कि बिना भोपाल से पर्यावरणीय अनुमति के बिना स्टोन क्रेशर नहीं चलेगो।

स्टेट लेवल पर जारी की जाएगी अनुमतियां...

अब पर्यावरणीय अनुमतियां डिस्ट्रिक्ट एन्वॉयरमेंट असेंससमेंट अथोरिटी मतलब दिया द्वारा जाती रही है। पूर्व में दी गई अनुमतियां निरस्त कर दी गई है। अब नए सिरे से स्टेट इंवायरमेंट असेसमेंट अथॉरिटी मतलब सिया से अनुमति ली जाएगी। इसमें कुछ शर्ते बढाई जाएगी।

इनका कहना–इस संबंध में जिला खनिज अधिकारी सुश्री भावना सेंगर से उनका मत लेने के लिए काल लगाया गया। लेकिन, उनका मोबाईल लगातार नो रिप्लाय होता रहा।

विकास के भविष्य पर दाव ना लगाये,
सही उम्मीदवार को हमेशा चुनाव जिताये।
सही चुनाव, बड़ा बदलाव

इतिहास बनी दीवार लेखन की कला

अब नहीं नजर आता...सूरज की पहली किरण के साथ...चुनाव में चढ़ा आधुनिकता का रंग

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आचार संहिता लागू होने के साथ ही मंदसौर जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रो के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए है। इसके साथ ही जिला चुनावी रंग में रंगने लगा है। जैसे ही अन्य प्रत्याशियों के नाम तय होंगे, चुनावी प्रचार-प्रसार जोर पकड़ेगा। कुछ समय पहले वाल पेटिंग और सफेद कपड़ों पर लिखे गए नारो जैसे सूरज की पहली किरण के साथ....चलती है गाड़ी उड़ती है धूल न रहेगा... का जमाना अब इतिहास बन गया है। चुनाव के समय दीवारों पर एक से बढ़कर एक चुभते नारे और व्यंग लिखे जाते थे। इससे विरोधी दल के लोग तिलमिला उठते थे तो आम लोग आनंद लेते थे। इस काम में सिद्धहस्त कलाकारों की बकायदा एक जमात थी। चुटीले नारो और चुभते कार्टूनों वाली दीवार लेखन कला की हत्या आधुनिक संसाधनों ने कर दी। चुनाव प्रचार प्रसार के दूसरे साधनों की बाढ़ और सोशल मीडिया के बढ़ते असर ने इस कला को पिछे धकेल दिया। 90 के दशक तक तमाम मुद्दे दीवारों पर उभर आते थे। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी ने तरक्की की, दीवार लेखन का रंग उड़ गया। अब घर- घर जनसंपर्क अभियान में तेजी के साथ उम्मीदवारो द्वारा चुनाव प्रचार के लिए आधुनिक तौर तरीके अपनाने का काम शुरु हो गया है।

चुनावों में सतरंगी हो जाती थी दीवारें...

दीवार लेखन के जरिये राजनीतिक पार्टियां लोगों से सीधे संपर्क में आ जाती थी। जबकि कला से जुड़े लोगों की अच्छी खासी कमाई हो जाती थी। इन लोगों को पेंटर कहा जाता था। चुनाव में बड़े आर्डर इन्हें मिलते थे। समय बदलने के साथ ही चुनाव प्रचार के दूसरे तरीके इस पारंपरिक प्रचार पर हावी हो गए। अब इनकी जगह बैनर और पोस्टर का सहारा लिया जाता है। वहीं चुनाव प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का सहारा ज्यादा लिया जा रहा है। यही कारण है कि दीवार लेखन की विशिष्टकला ही खत्म हो गई।

दूसरे धंधे में लग गए लोग...

दीवारों के साथ सफेद रंग के कपड़ों पर प्रत्याशी का नाम और चुनाव चिन्ह बनाया जाता था। जिस पर प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की जाती थी। घरों की दीवारों की छत पर यह कपड़ा टांगने और दीवारों पर लेखने के लिए निवेदन प्रत्याशी या उनके समर्थक करते थे। लेकिनख अब इसकी जगह फ्लेक्स ने ले ली है। इधर इस व्यवसाय से जुड़े पेंटर का यह पुश्तैनी धंधा था। लेकिन, अब पुश्तैनी काम छोड़कर दूसरे व्यवसाय में जाना मजबूरी बन गया है।

दूर करना है भ्रष्टाचारियों का कहर,
क्षेत्र में लानी है विकास की लहर

आपसे किए हर वादे को निभाए हैं
अबकी बार नई सोच के साथ आए हैं

सोश्यल मीडिया का उपयोग...

अब चुनावों में सोश्यल मीडिया पर प्रचार के लिए मार्केटिंग एजेंसियों का सहारा लिया जाता है। उनके माध्यम से लुभावने, आकर्षक नारे और पोस्टर मतदाताओं के मोबाइल पर भेजे जाते हैं। वाइस काल के माध्यम से भी उम्मीदवार या पार्टी द्वारा मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाई जाती है।

मामला अग्रवाल एजेंसी में हुई लाखों की चोरी का...

राजस्थान के जयपुर तक बिका चोरी का माल?

तार से तार जोड़ने में जुटी पुलिस, चोरी की सिगरेट का एक बक्सा खरीदने के आरोप में एक को उठाया

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के लक्कड़पीठा क्षेत्र में स्थित एक गोदाम से लाखों की सिगरेट सहित अन्य सामग्री चोरी के मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। सीसीटीवी कैमरे भी पुलिस ने खंगाले। इसके अलावा मुखबीर तंत्र की भी मदद ली गई। लेकिन, फिलहाल पुरी तरह से पुलिस इस मामले का निराकरण नहीं कर पाई है। लेकिन एक-एक कड़ी जोड़कर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इस मामले में चोरी गई सिगरेट का एक बक्सा खरीदने वाले को पुलिस ने उठाया है।

सूत्रों के अनुसार इसमें कुछ संदिग्ध लोगों को भी पकड़ा गया है। काफी प्रयासों के बाद पुलिस चोरी गए माल तक भी पहुंच रही है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस इस मामले में आरोपियों के बिल्कुल करीब है। बताया जाता है कि चोरी किया गया माल जयपुर और अन्य हिस्सों में भी बेचा गया। सूत्रों की माने तो एक दिन पहले पुलिस ने जयपुर में दबिश दी। यहां एक गुमटी चलाने वाले को हिरासत में लिया है। इस व्यक्ति के पास से सिगरेट के पैकेट बरामद किए गए है। बताया जाता है कि यह चोरी गया माल था। जिसे उसने किसी से खरीदा था। फिलहाल अधिकारिक रूप से इस मामले में अधिकारी कुछ भी कहने को बच रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आईटीसी कंपनी जिले के डिस्ट्रीब्यूटर अग्रवाल एजेंसीज के लक्कड़ पीठा स्थित गोदाम पर बीती 25 सितंबर की रात करीब 2 से 3 बजे के मध्य 4-5 की संख्या में अज्ञात बदमाश एक लोडिंग जीप में सवार होकर आए और गोडाउन के गेट का ताला काटकर अंदर घुसे और आईटीसी कंपनी के ब्रांडेड सिगरेट के बॉक्स सहित अन्य सामान चुरा कर ले गए। चोरी करने आए बदमाश गोडाउन में खड़ी एक पिकअप भी चोरी कर अपने साथ ले गए। यहां रात में करीब 3-4 बदमाश आए थे, जो सीसीटीवी में दिखाई भी दिए। बदमाश कटर और अन्य औजार भी साथ लेकर आए थे। करीब पचास लाख की चोरी की वारदात यहां हुई थी।

दिवाली के 5 दिन बाद फिर छूटेंगे वोटिंग के रॉकेट

पुरे प्रदेश में एक साथ 17 नवंबर को वोटिंग, 3 दिसंबर को आएंगे नतीजे

[मप्र सहित पांच राज्यों में चुनाव तारीखों की घोषणा]

भोपाल, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में दिवाली के 5 दिन बाद मतदान होगा। प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक ही चरण में 17 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसके 16 दिन बाद 3 दिसंबर को मतगणना के साथ नतीजे आएंगे। अर्थात प्रदेश में आज से 55वें दिन ये तस्वीर साफ हो जाएगी कि किसकी सरकार बनेगी। एमपी में चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही प्रदेश में चुनावी आचार संहिता लागू हो गई है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार 21 अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी होगा। 30 अक्टूबर तक नामांकन फार्म जमा हो सकेंगे। नामांकन की जांच 31 अक्टूबर को होगी। 2 नवंबर नाम वापसी की आखिरी तारीख है। वर्ष 2018 में दिवाली के 21 दिन बाद 28 नवंबर को वोटिंग हुई थी और 11 दिसंबर को काउंटिंग हुई थी। 2023 के चुनाव में मध्यप्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 वोटर हैं। वर्ष 2018 में 5 करोड़ 4 लाख 33 हजार 79 वोटर थे। इसके अलावा राजस्थान, छत्तीसगढ, तेलंगाना और मिजोरम में भी चुनाव तारीखों की... शेष पेज 4 पर

आचार संहिता में लागू होगी यह बंदिशें...

✻ नई सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की घोषणा नहीं हो सकेंगी। ✻ मंत्री-विधायक सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। ✻ सरकारी योजनाओं के बैनर, पोस्टर्स, सरकारी वेबसाइट से मुख्यमंत्री, मंत्रियों व अन्य राजनेताओं के पोस्टर हटाए जाएंगे। ✻ किसी भी प्रोजेक्ट का शिलान्यास या उद्घाटन नहीं हो सकेगा

इन कामों पर नहींहोगा असर...

✻ जो सरकारी योजना शुरू हो चुकी हैं, उनका लाभ मिलता रहेगा। ✻ सरकार कोई तबादला नहीं कर पाएगी, लेकिन चुनाव आयोग अफसरों के ट्रांसफर कर सकेगा। ✻ सीएम-मंत्री रूटीन काम ही कर सकेंगे। ✻ सरकारी दफ्तर में जनता से जुड़े सामान्य काम पहले जैसे ही चलते रहेंगे।

आचार संहिता लगते ही शिवराज का कार्यक्रम रद्द...

मध्यप्रदेश में चुनावी आचार संहिता लगते ही इसका असर देखने को मिला। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जबलपुर के सिहोरा और बरगी का सोमवार का कार्यक्रम रद्द हो गया है।

इस बार प्रत्याशियों के पास प्रचार का समय कम...

पिछले तीन चुनाव की तुलना में इस बार प्रत्याशियों को प्रचार करने का कम समय मिलेगा। चुनाव की तारीख के ऐलान से मतदान के पहले प्रचार थमने तक कैंपेनिंग के 37 दिन ही मिलेंगे। 2008 के चुनाव में ये स्थिति 42 दिन, 2013 के चुनाव में 46 दिन और 2018 के चुनाव में 51 दिन थी।

सत्य परेशां हो सकता है लेकिन पराजित नहीं
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर 18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

********* शुभेच्छु *********
सुरेन्द्र नलवाया
15, टीआईटी काम्प्लेक्स संजीत रोड़ मंदसौर, 9425105298

बेखौफ, निडर, स्वच्छ पत्रकारिता
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर 18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

समाचारों की दुनियां में गुरु एक्सप्रेस ने पारदर्शिता, स्पष्ट वादिता और निर्भीकता की जो मशाल जलाई है वह आंधी-तूफानों के थपेड़ो से कभी बुझे नही, दोगुने-चोगुने रूप में नित्य निरन्तर प्रज्वलित रहे।
** शुभाकांक्षी **
बंशीलाल टांक
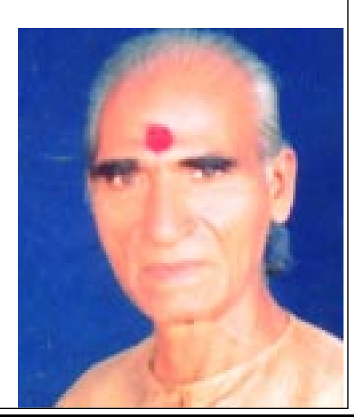
जिलाध्यक्ष- पतंजली योग संगठन, मंदसौर

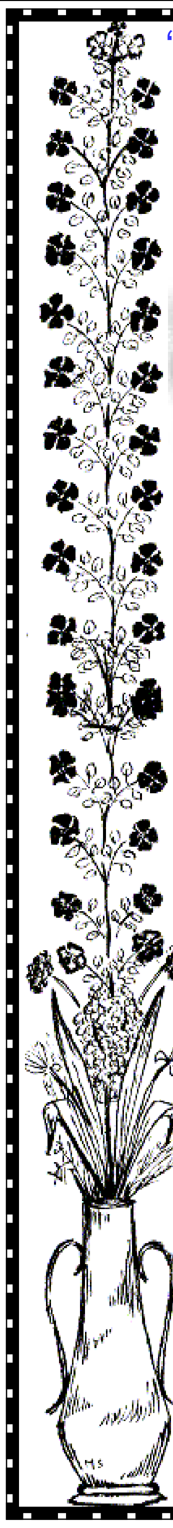
''साजिशे लाखों बनती हैं, उनकी हस्ती मिटाने की।
बस 'दुआएं' हम लोगो की उन्हें 'मुकम्मल' नहीं होने देती'' ॥
मालवांचल के प्रमुख, जनता के अपने
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर 18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

दिलीप गुप्ता
पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष
कयामपुर, नाहरगढ़

विचार-मंथन

कानूनी जटिलताओं की वजह से बच जाते हैं अपराधी

विधि आयोग द्वारा पिछले सप्ताह सरकार को सौंपी गई रपट में यौन संबंधों के लिए सहमति उम्र के मसले पर आए सुझावों की व्यावहारिक अहमियत इस रूप में है कि आमतौर पर इसे तकनीकी प्रश्न के रूप में देखा जाता है, लेकिन संदर्भों के लिहाज से कई बार वह एक संवेदनशील स्थिति होती है। इसी तरह, आयोग ने चरणबद्ध तरीके से ई-एफआइआर का पंजीकरण शुरू करने की भी सिफारिश की है, जिसकी शुरुआत तीन साल की जेल की सजा वाले अपराधों से होगी। जहां तक पाक्सो अधिनियम का सवाल है, तो इसे बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिहाज से एक प्रगतिशील कदम के तौर पर देखा जाता है। इससे पहले बच्चों से होने वाले यौन दुर्व्यवहार के मामले में कानूनी जटिलताओं की वजह से कई बार अपराधियों को वाजिब सजा दिलाने में अड़चनें सामने आती थीं। लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद यौन हिंसा संबंधी अपराधों से बच्चों को संरक्षण और दोषियों को सजा दिलाने के मामले में काफी प्रभावी नतीजे देखे गए हैं। हालांकि भारत में सामाजिक स्तर पर कई बार ऐसी स्थितियां देखी जाती रही हैं, जिनमें सोलह से अठारह वर्ष के किशोरों के बीच मौन स्वीकृति से बने यौन संबंधों को पाक्सो कानून के तहत अपराध के दायरे में देखा जाता है। इसलिए सहमति से यौन संबंधों की उम्र को अठारह वर्ष से कम करने की मांग भी उठती रही है। अब विधि आयोग ने सरकार को पाक्सो कानून के तहत सहमति की मौजूदा उम्र में कोई बदलाव न करने का सुझाव दिया है। साथ ही आयोग ने सोलह से अठारह वर्ष के बीच के किशोरों की परस्पर सहमति से बने संबंधों से जुड़े मामलों में सजा सुनाने के संदर्भ में निर्देशित न्यायिक विवेक का उपयोग करने की सलाह दी है। भारत में कानूनी स्तर पर तय उम्र से पहले यानी नाबालिगों के विवाह या सामाजिक जीवन से जुड़ी अन्य स्थितियों के मद्देनजर कई बार सहमति से बने यौन संबंधों को अपराध के वर्ग में रखने को लेकर सवाल उठाया जाता है। मगर इस पर विधि आयोग की चिंता वाजिब है कि अगर इस मामले में उम्र में छूट दी गई तो न केवल बाल दुर्व्यवहार और बाल विवाहों, बल्कि बाल तस्करी के खिलाफ भी लड़ाई पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। गौरतलब है कि बाल तस्करी के मामलों में सजा की दर पहले ही काफी कम रही है। समाज में प्रचलित मान्यताओं या कायदों के समांतर कानूनी कसौटियों को लेकर अक्सर बहस होती रही है। कई बार यह किसी जोखिम वाले सामाजिक तबके के हक में बने कानूनों और जमीनी स्थितियों के बीच खींचतान के रूप में भी विवाद का विषय बनता है। ऐसे में जोखिम वाले तबके के रूप में बच्चों और किशोरों को चिह्नित करके उनके संरक्षण या हित में बने कानून को उसके वास्तविक संदर्भों में ही देखा जाना चाहिए। इसके अलावा, किसी वारदात के बाद पीड़ित की ओर से पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी और उसमें टालमटोल के मामले छिपे नहीं रहे हैं। इसकी वजह से कई बार अपराधियों को उचित सजा नहीं मिल पाती है। इसके मद्देनजर विधि आयोग ने चरणबद्ध तरीके से ई-एफआइआर का पंजीकरण करने की सिफारिश की है, ताकि नागरिक वास्तविक समय में अपराध की सूचना पुलिस महकमे को दे सकें। जाहिर है, विधि आयोग के ताजा सुझाव वास्तविक स्थितियों के आकलन और कानून की कसौटियों को उनकी व्यावहारिकता में देखने की जरूरत दर्शाते हैं।

सनातन वही जिसका उन्मूलन संभव नहीं

कौशल किशोर

सर्वोच्च न्यायालय तमिलनाडु सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के पुत्र उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ सनातन के उन्मूलन की बात का संज्ञान लेकर नोटिस भेजती है। इस मामले में पिछले दिनों मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनकी एक साथ सुनवाई तय है। हालांकि नफरत की राजनीति के इस पैंतरे को अभी 'हेट स्पीच' की परिधि से बाहर रखा गया है। उच्च न्यायालयों में भी इस मामले में 40 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। सनातन की परिभाषा बिगाड़ने का यह षड्यंत्र चेन्नई में 2 सितंबर को आरंभ किया गया था। तभी से इस राजनीति के पक्ष विपक्ष में बयानबाजी चल रही है। तमिलनाडु के प्रगतिशील कलाकारों और लेखकों ने इसके लिए चेन्नई के कामराजार एरिना में मंच तैयार किया था। उदयनिधि स्टालिन ने इसे संबोधित करते हुए कहा था कि ''इस सम्मेलन का शीर्षक बहुत अच्छा है। यह 'सनातन विरोधी सम्मेलन' के बजाय 'सनातन उन्मूलन सम्मेलन' है। इसके लिए बधाई। हमें कुछ चीजों को खत्म कर देना चाहिए। हम उसका विरोध नहीं कर सकते। हमें मच्छर, डेंगू बुखार, मलेरिया, कोरोना वायरस इत्यादि का विरोध ही नहीं करना चाहिए। हमें इनका उन्मूलन करना होगा। सनातन धर्म भी ऐसा ही है।'' उच्चतम न्यायालय में मामले की सुनवाई आरंभ होने से पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका प्रतिकार करते हैं। केंद्र की सत्ता में काबिज प्रायः सभी दलों के नेता इसकी आलोचना कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्त्ता सड़क पर उतर गए हैं। पर विपक्ष इस मुद्दे पर आज एकजुट नहीं है। कांग्रेस नेता कीर्ति चिदंबरम ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन ने जो कहा है, उसमें कुछ भी गलत नहीं है। आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा के सांसद राघव चड्ढा स्वयं को सनातनी बता रहे हैं। विपक्षी गठबंधन से इसका ताल्लुक खारिज करते हैं। 'इंडिया' आज पक्ष विपक्ष में बंटता दिख रहा है। वहीं सत्तापक्ष इसके खिलाफ एकजुट है। बेंगलुरु में विपक्षी गठबंधन की गांठ बंधने के तत्काल बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था। द्रमुक सांसदों ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के भारत आगमन पर कच्चतीवु द्वीप की वापसी का मुद्दा उठाया था। राजनीति के पंडितों ने इसकी व्याख्या में 'क्विट इंडिया' का जुमला उछाल दिया। कांग्रेस नीत गठबन्धन का दूसरा बड़ा दल इसके टूटने की आशंका को जन्म देता है। संभव है कि इस विकट संकट से निजात पाने के लिए उदयनिधि स्टालिन लगातार ऐसी बेतुकी बातें कर रहे हैं। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए तमिलनाडु की द्रमुक सरकार आधुनिकता के नाम पर अपने लोगों को भी जोड़ने के बदले तोड़ने का काम कर रही है। सामाजिक न्याय की आड़ में बीमारी को दूर करने के नाम पर वैमनस्य के

बीज बोने में लगी है। समानता और न्याय की पैरवी के लिए सनातन का तिरस्कार किसी विकृत मानसिकता का ही द्योतक है। इस हथकंडे का इस्तेमाल कर द्रमुक नेताओं ने देश के बहुसंख्य समाज को आहत किया है। साथ ही अपनी समझ का ओछापन उजागर कर दिया है। सही मायनों में सनातन और धर्म एक दूसरे के पर्याय हैं। सार्वभौमिक सत्य को इंगित करने वाले नैसर्गिक धर्म के उन्मूलन की कल्पना करने वालों का ही नाश होता रहा है। सनातन अथवा धर्म अनादि काल से सतत बना रहा है। आगे भी रहेगा। इस पर हाय तौबा मचाने की कोई जरूरत भी नहीं है। उदयनिधि स्टालिन जैसे किसी तंगदिल नेता के कहने अथवा करने से इसका उन्मूलन नहीं होने वाला है। सही मायनों में यह पश्चिमी सभ्यता की नाटकीयता को जमीन पर लाकर खड़ा करती है। परस्परावलंबन की इस सभ्यता में एक सनातन सूत्र मिलता है, 'यत पिंडे तत ब्रह्मांडे' जो कुदरती एकता को व्यक्त करता है। निमित्त कारण और उपादान कारण को समझे बगैर इस पर टिप्पणी करना अनाधिकार चेष्टा ही साबित होती है। मानवता इस सार्वकालिक और सार्वभौम धर्म का सत्य है। यह नित्य है। इसकी पैरवी करने वालों के बीच पनपी विसंगतियों से यह परिभाषित नहीं होती है। वस्तुतः धर्म और सनातन दोनों ही शब्द उन्मूलन से परे की स्थिति का वाचक है। गुरुत्व पृथ्वी का धर्म है। यह भी नित्य है। सनातन है। इसलिए सत्य है। ईसाइयत और इस्लाम की तरह सनातन और धर्म की व्याख्या पंथ के तौर पर करने से यह बदलने वाला भी नहीं है। दूसरी ओर ऐसे किसी पंथ की सफलता उसमें मौजूद सनातन तत्व की मौजूदगी पर ही निर्भर करती है। वैमनस्य की राजनीति सस्ती लोकप्रियता अर्जित करने का सुगम साधन साबित हो रही है। आगामी लोकसभा का चुनाव भी इस जुमलेबाजी की जड़ में है। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति कड़वाहट और द्वेष में सने वैमनस्य को 'हेट स्पीच' की श्रेणी में रखने से इंकार करते हैं। क्या कड़वाहट व द्वेष को दूर कर न्यायालय समाज सुधार के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी? इस सवाल का जवाब तो काल के गर्भ में है।

भाजपा ने दक्षिण में एक और महत्वपूर्ण सहयोगी खो दिया

भाजपा की दक्षिण दिशा की यात्रा मे रुकावट आ रही है जिसे मई 2023 मे कर्नाटक के लोगों ने रोक दिया था और तमिलनाडु में उसके प्रमुख सहयोगी अन्नाद्रमुक द्वारा संबंध तोड़ने से 2024 के संसदीय चुनाव में अधिकतम सीटों पर कब्जा करने के बारे में उच्च आशावाद बनाए रखने की संभावना कम हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि द्रविड़ राजनीति में अन्नाद्रमुक का सिकुड़ता आधार और भाजपा के साथ जुड़ाव के कारण अल्पसंख्यक वोटों का नुकसान वर्तमान संकट में योगदान दे सकता है। हालांकि प्रकट किए गए अन्य कारणों में पार्टी की अलोकप्रियता और राज्य भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई का द्रमुक संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री अन्नादुरई पर सीधे हमले के बाद गठबंधन की गतिशीलता में तीखे मतभेद उपजे हैं। भाजपा को 2024 में दक्षिण भारत में गठबंधन सहयोगियों की बेरुखी का सामना करना पड़ सकता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि भाजपा के लिए केवल हिंदी पट्टी पर भरोसा करना बेहद मुश्किल होगा क्योंकि दक्षिण भारत में लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 130 सीटें हैं। वर्तमान स्थिति के अनुसार दक्षिण राज्यों के विभाजन में कर्नाटक की 28 सीटें, आंध्रप्रदेश की 25, तेलंगाना की 17, तमिलनाडु की 39, केरल की 20 और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की एक सीट शामिल है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 130 के इस पूल में से 21 सीटें जीती और 2019 के चुनावों में अपनी संख्या बढ़ाकर 29 कर ली।

हम तकनीक के कुछ ज्यादा ही गुलाम बन रहे हैं

हरियाली से प्यार का मामला मोटे तौर पर तीन चीजों से जुड़ा रहता है। एक तो मन बहल जाए, दूसरा इस मन को ऊर्जा मिले और तीसरा, हमारे मन को यह बात महसूस होती रहे कि पंचतत्त्व का हमारा चोला इसी प्रकृति का अंश है। यों इन तीनों के बीच हमारे अपने रुझान भी साथ-साथ चलते रहते हैं। मसलन, हरियाली पर बैठ कर गहन ध्यान लगा कर सुकून पा लिया या कैमरे में तस्वीरें कैद कर लीं या वहां नियमित भ्रमण करने लगे। यानी इसमें हमारा अपना जीवन दर्शन, हमारी सामाजिक दशा, दैनिक कार्यकलाप आदि के कुछ बिंदु अहम भूमिका निभाते हैं। हम हरियाली के साथ कुछ समय बिता रहे हैं, यानी हम अपने सकारात्मक पक्ष को पुष्पित-पल्लवित कर रहे हैं। हम सबके जीवन में कभी न कभी वह पल तो जरूर आता है, जो यह बताता है कि अब बस, बहुत हुआ।हम तकनीक के कुछ ज्यादा ही गुलाम बन रहे हैं। तकनीक वगैरह के हल्केपन से अब उबरने की जरूरत है। ठीक है कि यह मनोरंजन करता है, पर इससे मनोबल भी गिरता है। दरअसल, आधुनिकता और भोगवाद का मकड़जाल है ही ऐसा कि जो इसमें अटका, वह इंसानियत से भटका। यह माहौल की मजबूरी हो गई है कि हम सब ऐसी दिनचर्या अपना बना चुके हैं, जहां अपने सिवा किसी के बारे में कभी सोच ही नहीं पाते या फिर सोचने का मन ही नहीं करता। संभ्रांत कालोनी, आलीशान घर, मुलायम बिस्तर और नाना प्रकार की सुख-सुविधाओं के बीच रहकर भी जाने क्यों हमें चैन और आनंद की नींद नहीं आ पाती और अजीब-सी जद्दोजहद में समा चुके हम उस नींद को बुलाते हैं, खोजते हैं, करवट बदल कर उसका अता-पता ढूंढते हैं। आज यह सबके चिंतन करने का समय है कि हम लोभ की कैसी कुसंगति में फंस गए कि दैनिक जीवन से रस और रंग गायब हैं और हमें इसकी कमी से उपजने वाली स्थितियों का भान तक नहीं। जब औद्योगिक क्रांति के साथ एक दौर ऐसा आया, जब मानव प्रगति की अंधी दौड़ में बस मशीन बनने लगा, तो इससे पूरे सामाजिक चक्र को बेहद तकलीफ झेलनी पड़ी। जिस तरह प्रकृति को तहस-नहस किया गया, वह एक भयानक क्रूरता थी। तब किसी को उस प्रकृति की परवाह ही नहीं थी, जिसके हम अंश हैं। वह एक अभियान चल पड़ा था विकास के नाम पर सिर्फ दौलत कमाना और तरक्की करना। तब शायद प्रकृति खुद भी आहत होकर यह सोचने लगी होगी कि स्वार्थ की कठपुतली इंसान से भावुकता और संवेदनशीलता की उम्मीद करना बेमानी है। पर आज ये मानदंड बदल रहे हैं जब एक के बाद एक अजीबोगरीब बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। अब इंसान में कुछ सकारात्मक बदलाव हुआ है और वह थोड़ा-बहुत प्रकृति से जुड़ने की कोशिश करने लगा है। कानूनी मजबूरी में ही सही, रसोई से लेकर दफ्तर तक प्लास्टिक पर पाबंदी लगी है। अब कुछ पढ़े-लिखे युवक खेती में रुचि दिखाने लगे हैं, पौधों को उगा कर प्रकृति को धानी रंग दे रहे हैं। जीवन और प्रकृति के संबंध को समझना वक्त की जरूरत भी है। आज तो हर रिहाइशी कालोनी के लोग चाहते हैं कि शहर में सबसे हरा-भरा क्षेत्र उनका ही हो। लालच, लोभ और स्वार्थ से भरे इस समय में यह अनिवार्य होने लगा है कि हम सबका जीवन मानवीयता, सहयोग और सहृदयता की अनूठी बगिया जैसा महक जाए। सादगी भरा मन खोजने पर नहीं मिले तो येन-केन-प्रकारेण हरियाली संगति का लाभ जरूर लेना चाहिए। इसलिए कि अपने संपर्क में आने वाले लोगों को भी वह अपने जैसा बना देती है। हरियाली अकेली नहीं होती। उसके साथ हम तितली, भंवरे, गौरैया, गिलहरी, चींटी, जुगनू आदि की संगति से होकर भी गुजरते हैं। जब हम यह रूप गहराई से देखते हैं तो सीखते हैं कि अनुशासन, सामंजस्य, व्यवस्थित होना, नियमित रहना कितना फायदेमंद होता है। जैसी होगी संगति, वैसी बनेगी मति, तो हम भी बिल्कुल वैसे ही सुगठित होने लगेंगे। एक दूसरे को सहारा देने और अपना सर्वस्व अर्पित करने की तमन्ना हरीतिमा के सिवा कहीं किसी पूंजी बाजार वगैरह में शायद ही देखने को मिले। आत्मीयता क्या होती है, यह हरियाली ही हमें बताती है जब किसी दूब पर चींटियों का दल रेंग रहा होता है और किसी बेल पर गौरैया झूला खाती है। किसी टहनी पर कबूतर गुटरगूं कर रहे होते हैं और किसी अमरूद से लदी डाली पर तोतों का झुंड जुटा होता है। आज यह अनेक लोगों के इलाज की एक पद्धति बन गई है। किसी पार्क में जाना और कुछ समय वहां रहना इतना काव्यात्मक है कि उदासी, अकेलापन, थकान, तनाव, घबराहट गायब हो जाते हैं। हरियाली जब बाहर से भीतर आने लगती है, तो हृदय द्वारा प्रकृति के सातों रंग आत्मसात कर लिए जाते हैं। इसमें सराबोर होकर जो खुशी मिलती है, उसकी तुलना नहीं हो सकती।

जलवायु की मार से जल को बचाने की कवायद

अभी हाल में हमने यह खबर पढ़ी कि जुलाई, 2023 वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे गरम महीना रहा; इसके ठीक उलट यह भी पढ़ने को मिला कि उत्तर भारत में 2016 के बाद की यह सबसे ठंडी जुलाई रही। अभी हाल में हमने यह खबर पढ़ी कि जुलाई, 2023 वैश्विक स्तर पर अब तक का सबसे गरम महीना रहा; इसके ठीक उलट यह भी पढ़ने को मिला कि उत्तर भारत में 2016 के बाद की यह सबसे ठंडी जुलाई रही। जाहिर है, इसकी जटिलताओं की परतें जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हैं। अब यह साफ हो चुका है कि पानी के साथ जलवायु परिवर्तन का अटूट रिश्ता है, जो सूखे और बाढ़ से लेकर ध्रुवीय बर्फ के पिघलने के कारण समुद्री जल-स्तर में वृद्धि जैसे अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है। डब्ल्यूआरआई एक्विडक्ट के नए आंकड़ों से संकेत मिलते हैं कि वैश्विक तापमान वृद्धि को यदि पेरिस लक्ष्य के 1.3 डिग्री सेल्सियस पर भी सीमित रखने में हम सफल होते हैं, तब भी साल 2050 तक अतिरिक्त एक अरब लोगों (अनुमानित आबादी से 12 फीसदी अधिक) को 'अत्यधिक जल-तनाव' के बीच जीना पड़ सकता है। किसी भी देश के लिए 'अत्यधिक जल-तनाव' वह स्थिति होती है, जब वह अपने यहां के स्वच्छ जल संसाधन का कम से कम 80 फीसदी इस्तेमाल कर रहा है, जबकि 'उच्च जल-तनाव' का मतलब है, उपलब्ध संसाधन का कम से कम 40 फीसदी इस्तेमाल। इस तरह के आंकड़े वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ते हैं, क्योंकि इसी अध्ययन में यह अनुमान भी लगाया गया है कि साल 2050 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद को 31 फीसदी का नुकसान होगा, यानी 70 ट्रिलियन डॉलर जल-तनाव से प्रभावित होगा, और इनमें से भी आधे से अधिक के लिए भारत, मेक्सिको, मिस्र और तुर्की जिम्मेदार होंगे। स्पष्ट है, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती, विशेष रूप से दुनिया के उन हिस्सों में, जहां बढ़ती जनसंख्या और तेज विकास आपस में जुड़े हैं। जल की घटती उपलब्धता आर्थिक विकास के साथ-साथ दुनिया की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि विश्व की 60 फीसदी सिंचित कृषि (मुख्यतः चावल, गेहूं, मक्का और गन्ना) अत्यधिक जल संकट का सामना कर रही है। आईपीसीसी रिपोर्ट में दक्षिण एशिया को जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खास संवेदनशील बताया गया है। इस मानसून में ही उत्तर भारत में काफी बारिश हुई, जबकि पूर्वी क्षेत्रों में पानी कम बरसा। इसे भारत में खरीफ फसलों की बुआई में देरी के साथ जोड़कर देखिए। भारत में स्वच्छ जल संसाधनों की 80 फीसदी खपत खेती-किसानी में होती है। जल संसाधन समूह (डब्ल्यूआरजी) के अनुसार, साल 2030 तक हमारे पास जरूरत का केवल 50 फीसदी पानी होगा और यह भारत के इतिहास का संभवतः सबसे बुरा संकट होगा। इस साल की शुरुआत में पहली बार सरकारी व निजी जल निकायों की गणना प्रकाशित की गई थी। यह जल भंडारण को बढ़ाने के ख्याल से स्वागतयोग्य कदम है। जल संबंधी सरकारी पहलों से पता चलता है कि शीर्ष स्तर समस्या को लेकर गंभीर है। अखिल भारतीय कार्ययोजना (राष्ट्रीय जल मिशन और ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) से लेकर भूजल प्रबंधन कार्यक्रम (अटल भूजल योजना) हमारे पास है ही, साथ में ऐसी योजनाएं भी हैं, जो कृषि-कार्यों में जल प्रबंधन को बढ़ावा देती हैं, जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना। इस कोशिश में भारतीय उद्योग जगत तीन तरीके से मदद कर सकता है। पहला, किसानों के साथ काम करने वाली कंपनियां अधिक कुशल जल उपायों को प्रोत्साहित कर सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5014

6			4	2				
8		4	9				7	3
3						4	5	
			8	7			9	
	8						2	
	3			6	1			
	2	5						7
9	6				5	8		2
				3	9			4

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5013

3	5	8	9	1	6	2	4	7
4	6	2	7	5	3	1	9	8
1	9	7	4	8	2	5	3	6
8	4	9	1	6	7	3	5	2
7	1	5	2	3	4	8	6	9
2	3	6	8	9	5	4	7	1
9	2	3	5	7	1	6	8	4
5	8	1	6	4	9	7	2	3
6	7	4	3	2	8	9	1	5

वर्ग पहेली 5014

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1927 को मध्यप्रदेश की भूतपूर्व राज्यपाल तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा में भारत की दूसरी महिला ने जन्म लिया था (6)
6. [illegible] (3)
7. कमर, शरीर का मध्य भाग (2)
8. [illegible] (2)
10. [illegible] (2)
11. [illegible] (उर्दू) (2)
12. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
13. [illegible] (4)
15. [illegible] (2)
17. [illegible] (2)
18. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म, [illegible] (1979) थी (4)
21. [illegible] (3)
22. [illegible] (4)
24. [illegible] (2)
25. [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (4)
2. [illegible] (2)
3. एक विस्फोटक रासायनिक गोला (3)
4. [illegible] (4)
5. [illegible] (4)
7. [illegible] (4)
9. 25 वर्ष पूर्ण होने पर (6)
14. [illegible] (2)
16. जीवन, जिंदगी (उर्दू) (3)
19. प्रवेश, [illegible] (3)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (3)
21. [illegible] पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5013 का हल

इ	स	क	■	ला	■	य	र
ला	भ	द	■	न	ह	शु	ज
ब	■	ली	ला	मी	ठ	■	भा
क	ला	■	■	न	क	सी	र
र	न	छ	भा	■	र	न	■
मा	त	■	ग	का	जा	■	बी
■	■	स	ब	क	■	मु	क
स	म	त	ल	■	■	ला	ज

चुनाव की तारीख जारी होते ही भाजपा मय हुआ सोशल मीडिया

हैशटैग फिर इस बार मोदी सरकार ट्रेंड में, एक घंटे के भीतर 30 हजार से अधिक ट्वीट

भोपाल, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। चुनाव की घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर एक बार फिर भाजपा हैशटैग तेजी से वायरल होने लगा। एक घंटे के भीतर 30 हजार से अधिक ट्वीट भाजपा के समर्थन में किए गए। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर यूजर्स यह दिवाली कमल वाली के साथ जश्न मनाते हुए दिखे।

जीत के लिए आश्वस्त भाजपा समर्थकों में चुनाव की घोषणा होते ही गजब का उत्साह देखने को मिला। सुबह तकरीबन 12 बजे चुनाव आयोग ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी, जिसका असर सीधे सोशल मीडिया पर दिखने लगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा समर्थक ने हैशटैग फिर इस बार भाजपा सरकार के साथ लिखा– यह दिवाली कमल वाली। इसके साथ एक अन्य यूजर ने कांग्रेस पर तंज करते हुए लिखा– भाजपा मैदान में, कांग्रेस आपसी घमासान में। कांग्रेस अभी तक राज्य की सभी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पाई है, इस पर एक यूजर ने लिखा– कांग्रेस उम्मीदवार तय करने में हुई विफल, भाजपा चुनाव में फिर होगी सफल। जबकि भाजपा ने लगभग सभी राज्य में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर भाजपा के समर्थन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। तकरीबन एक घंटे के भीतर 30 हजार से अधिक ट्वीट भाजपा की फिर से वापसी का दावा करते हुए किए गए। सोशल मीडिया के लिए भाजपा की मजबूत रणनीति और मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियानों के जरिए भाजपा लोगों से सीधे जनसंपर्क स्थापित करने में सफल रही है, जिसका असर यह है कि किसी भी घटनाक्रम पर त्वरित टिप्पणी या फैसला सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगता है।

'भैया-बहन की जोड़ी, पड़ेगी कांग्रेस पर भारी'

भोपाल, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत का सेहरा किस पार्टी के सिर बंधेगा, इस बात का निर्णय काफी हद तक महिला वोटरों के हाथ में है। पिछले 15 वर्षों के अंतराल में राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या में पुरुषों के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई है। आगामी विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी महिला मतदाताओं के वोट का खासा प्रभाव पड़ेगा, जो मध्यप्रदेश में वर्ष 2014 के इतिहास को दोहरा सकती हैं।

प्रदेश में मजबूत होती महिला ब्रिगेड– मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण की योजनाओं का महिलाओं पर खासा असर पड़ा है। महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं के एवज में अधिक होने के साथ ही महत्वपूर्ण यह भी है कि राज्य की महिला ब्रिगेड अब पहले से कहीं अधिक जागरूक और सजग है। महिलाएं अपने वोट का सही इस्तेमाल करना जानती हैं। वर्ष 2007 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई लाडली लक्ष्मी योजना ने बड़ी संख्या में महिला वोटर को भाजपा की ओर मोबलाइज करने का काम किया था। वर्ष 2006 के बाद यदि बात 2023 की करें तो इस बीच मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में महिला एवं बाल कल्याण विकास योजनाओं पर एक बड़ी धनराशि खर्च की जा रही है, जिसमें लाडली बहना एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही महिला उद्यम, शिक्षा और आसान ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराने जैसे छोटी जरूरतों को समझकर प्रदेश सरकार महिलाओं की सच्ची हितैषी साबित हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो महिलाएं विधानसभा चुनाव में इन सभी उपलब्धियों का जवाब वोट से देंगी, निश्चित रूप से एक महिला सिर्फ महिला होती है, यहां जाति या समुदायों की राजनीति नहीं चलती। इसलिए देखा गया है जिस भी सरकार ने महिलाओं की राहें आसान कीं, उसकी जीत सुनिश्चित हुई है। वर्ष 2020 के एवज में यदि वर्ष 2023 के वित्तीय वर्ष के आंकड़ों की ओर देखें तो सरकार की कमाई का 25 प्रतिशत महिलाओं के हित में शुरू की गई योजनाओं पर खर्च किया जा रहा है। राज्य सरकार ने कुल बजट का 85000 करोड़ रुपए लाडली लक्ष्मी एवं अन्य योजना में खर्च किया। लाडली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को प्रतिमाह 1250 रुपए हस्तांतरित किए गए, जिससे महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतें खुद पूरी कर रही है। भाजपा प्रदेश में इन योजनाओं के माध्यम से महिला वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है।

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा महिलाएं हाथों में मेहंदी लगाकर मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

सनातन योग आयुर्वेद और स्वदेशी की पुर्नस्थापना का अभिनव आंदोलन है-स्वामी परमार्थ देव

दलौदा, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के दलौदा में महाराणा प्रताप रिसोर्ट के विशाल परिसर में 6 सितम्बर को योग महर्षित रामदेवजी के परम विद्वान शिष्य और पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के केंद्रीय मुख्य प्रभारी पू. स्वामी परमार्थ देवजी के सानिध्य में एक दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर आयोजित हुआ। दीप ज्योति प्रज्वलन भारत स्वाभिमान प्रांतीय प्रभारी सर्वश्री राजेन्द्र आर्य, पतंजलि योगपीठ प्रांतीय प्रभारी कृष्ण योगेन्द्र रघुवंशी, युवा भारत प्रांतीय प्रभारी प्रेमाराम पुनीया, पतंजलि युवा भारत सह राज्य प्रभारी विक्रम डूडी, योग आयोग जिलाध्यक्ष कालूसिंह सिसौदिया, श्रीजी नर्सिंग कॉलेज संचालक दीपक सैनी, किशोर दरकुनिया, विजय मेहता, सुमित सेन, भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी महेश कुमावत, योग संगठन जिला प्रभारी बंशीलाल टांक, कैलाश चौहान, मलखम जिला सचिव जीवन माली ने किया।

यज्ञ और ॐ के गुंजार के साथ योग का शुभारंभ हुआ। स्वामीजी ने उद्गीथ प्राणायाम के उच्चारण से प्राणयाम का शुभारंभ किया। प्रथम प्राणायाम भस्त्रिका (नाक से गहरा सांस भरना और छोड़ना), सामान्य-मध्यम गति और जिनको बीपी, हार्ट आदि की शिकायत ऑपरेशन आदि हो उन्हें तीसरी तीव्र

गति से कराने का सुझाव दिया। भस्त्रिका प्राणायाम से एलर्जी आदि समस्त रक्त विकार संबंधी बीमारियों से मुक्ति ओर इस प्रकार के रोग भविष्य में कभी नहीं होने का लाभ बताया। स्वामीजी ने दूसरा महत्वपूर्ण प्राणायाम नाक से सांस छोड़ने वाला कपाल भाति और अत्यन्त महत्वपूर्ण पेरेलेसीस (लकवा) जैसी बीमारियों में भी लाभदायक अनुलोम विलोम के पश्चात भ्रामरी उद्गीथ प्राणायाम कमर दर्द डायबिटिज घुटनों आदि जोडो के दर्द में लाभदायक आसन सूक्ष्म व्यायाम, युवाओं को पूर्ण स्वस्थ्य पुष्ट शरीर रहने के लिये योगिक, जोगिक साधारण बैठक, दण्ड बैठक और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करनाया। अंत में 5 मिनिट मेडिटेशन (ध्यान) का अभ्यास कराया। बालक-बालिकाओं के मलखंभ पर हैरत प्रदर्शन को खूब सराहा गया। स्वामीजी ने जन-जन के लिये जीवन में चाहे जैसी विकट विषम परिस्थिति क्यों नहीं आ जाये कभी भी हताशा, निराशा के स्थान नहीं मिले के इसके लिये योग का अवश्य अपनाने पर जोर दिया। आपने कहा नियमित योग करने वाला कोरोना-कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों से तो मुक्त रहेगा साथ ही मानसिक दृष्टि से कभी भी तनावग्रस्त होकर दु:खी परेशान नहीं होगा। आपने योग रिषी स्वामी रामदेवजी द्वारा कोरोनाकाल और उसके पश्चात् भी भारत सहित विश्व के करोड़ों लोगों को योग और आयुर्वेद से स्वास्थ्य लाभ लेने का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिन अब दूर नहीं जब हम सम्पूर्ण विश्व को शारीरिक मानसिक दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहने के लिये भारत की सनातन संस्कृति योग आयुर्वेद को अपना लेगा। स्थाई रूप से बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिये डब्ल्यूएचओ भी भारत के आयुर्वेद को कारगर मानने लगा है।

21 अक्टूबर को होंगे नाम दाखिल, 17 नवंबर को होगा मतदान-कलेक्टर

सुविधा एप्प से लेनी होगी राजनीतिक दलों को अनुमतियां, निर्वाचन के संबंध में राजनीतिक दलों एवं प्रेस के साथ बैठक संपन्न

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए आदर्श आचरण संहिता लगने की पश्चात राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पत्रकार गणों के साथ एक विशेष बैठक कर निर्वाचन के संबंध में आवश्यक जानकारियां प्रदान की।

जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए 21 अक्टूबर को नामांकन भरने का काम शुरू होगा। जो की सभी एसडीएम कार्यालय में होगा। 30 नवंबर को नॉमिनेशन का काम होगा। 31 अक्टूबर को नामों की छटनी की जाएगी। 2 नवंबर के दिन नाम वापसी के साथ चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 17 नवंबर को मतदान होगा एवं 3 दिसंबर को मतगणना की जाएगी। 5 दिसंबर से पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी संपन्न हो जाएगी। आदर्श आचरण संहिता लगने के पश्चात ऐसे निर्माण के काम जो चालू हो चुके हैं। वह काम लगातार चलेंगे। लेकिन नए काम शुरू नहीं होंगे। महत्वपूर्ण कामों के लिए आयोग की अनुमति लेनी जरूरी होगी। मनरेगा में पंजीकृत श्रमिक काम करते रहेंगे। शासकीय वाहनों का उपयोग राजनीतिक दलों के व्यक्ति नहीं कर पाएंगे। गेस्ट हाउस का अधिग्रहण कर लिया जाएगा। 24 घंटे में शासकीय भवनों पर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही पूर्ण होगी। वहीं आगामी 48 घंटे में पब्लिक स्थल जिसमें सड़क एवं अन्य स्थल पर कार्यवाही होगी। आगामी 72 घंटे के अंदर निजी भवन पर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएगी। एमसीएमसी के माध्यम से पैड न्यूज़ पर निगरानी का कार्य किया जाएगा। धार्मिक आयोजनों के कार्यक्रम को राजनीतिक का रूप नही दिया जाएगा। अगर कोई ऐसा करता है तो कार्यवाही की जाएगी। सुविधा एप्प के माध्यम से राजनीतिक दलों को अनुमतियां लेनी होगी। इसके साथ ही अगर किसी भी आम नागरिक को अगर चुनाव से संबंधित कोई शिकायत है, तो वह सी विजिल एप्प के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पत्रकार गण मौजूद थे।

नगरपालिका पी आई सी की बैठक में 272 प्रकरणों को मिली मंजूरी...

5 करोड़ 33 लाख रू. के निर्माण कार्य की दरों की भी हुई पुष्टि

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका की पी आई सी (प्रेसिडेंट ऑफ काउंसिल) की बैठक सोमवार को प्रात: 11 बजे नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। लगभग आधे घंटे चली इस बैठक में कुल 272 प्रकरणों को रखा जिसमें व्यापक विचार विमर्श के उपरांत सभी प्रकरणों को मंजूरी प्रदान की गई, इस बैठक में नपा सभापतिगण सत्यनारायण भाभी, श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना, श्रीमती कौशल्या बंधवार, श्रीमती शांति देवी फरक्या, रमेश ग्वाला मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

नगरपालिका की इस पी आई सी की बैठक में लगभग 5 करोड़ 33 लाख 23 हजार रूपये के विभिन्न निर्माण कार्य के अध्यक्ष महोदय के आदेश का अनुमोदन किया गया, नगरपालिका की इस बैठक में नगर के नागरिकों के बैठने के लिए बेंच, ओपन जीम, बच्चों के खेलने उपकरण जो कि लगभग 40 लाख रुपए के लगाए जाने हैं उसके दर को मंजूरी प्रदान की गई इस बैठक में प्लाट व भवन के 196 प्रकरणों को मंजूरी मिली।

जिला कांग्रेस आदिवासी विभाग की जिला कार्यकारिणी घोषित

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस आदीवासी विभाग के अध्यक्ष श्री रमेश सिंगार ने अनुसचित जाति एवं जनजाति विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक श्री के राजुजी की सहमति से जिला कांग्रेस आदिवासी विभाग की जिला कार्यकारिणी घोषित की है। श्री सिंगार ने जिला कांग्रेस आदिवासी विभाग के उपाध्यक्ष पदो पर श्री नंदलाल खराडी अजनोटी, श्री सुरेश सोलंकी अरदिया देव, श्री महेश पटेल अजनोटी, श्री नरेन्द्र गमेतिया बालोदिया, श्री रूघनाथ पटेल राम नगर, श्री प्रकाश लिम्बडवार धंघोडा, श्री सुरेश भील हमीरगढ, श्री नरसिंह भील रणायरा को नियुक्त किया है। इसी प्रकार जिला कांग्रेस आदीवासी विभाग के महामंत्री के पदो पर श्री विष्णु देवडा खाखरी खेडा, श्री सूरजमल मीणा धंधोडा, श्री विनोद भील सानडा, श्री रामलाल बापु भील सावंत, श्री विजय मोगिया गरोडा, श्री मांगीलाल रणायरा, श्री भेरूलाल भील सावंत, श्री रामलाल भील सावंत की नियुक्ति की है।

श्री सिंगार ने समस्त पदाधिकारियो की नियुक्ति करते हुये उन्हें आदीवासी वर्ग के हितो की रक्षा हेतु यथा संभव कार्य करने हेतु निर्देश प्रदान किये है।

दुर्घटना में हुई थी मौत, बाइक चालक पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 29 सितम्बर 2023 की रात्रि गणपति विसर्जन के दौरान सर्विस रोड़ पर पैदल जा रहे मांगूसिंह पिता नाथूसिंह को बाइक (एमपी 14 एनएफ 4792) के चालक ने टक्कर मार दी थी। घायलावस्था में मांगूसिंह को मल्हारगढ़ अस्पताल के बाद रतलाम व बाद में इंदौर भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान मांगूसिंह की मौत हो गई थी। जांच के बाद पुलिस ने जुझारसिंह पिता नाथूसिंह सिसोदिया की रिपोर्ट पर सोमवार को बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

सभी अधिकारी-कर्मचारी आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन करें-जैन

नीमच, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत निर्देशों का कडाई से पालन करें। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन करें। यह निर्देश कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित नोडल अधिकारियो की बैठक में दिये। कलेक्टर ने कहा, कि जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमितकुमार तोलानी, एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, सभी आरओ, एआरो, पुलिस अधिकारी, मास्टर टेनर डॉ.राजेश पाटीदार एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने आदर्श आचरण संहिता के प्रमुख बिन्दुओं से अवगत कराते हुए कहा कि अधिकारीगण अच्छे से आयोग के निर्देशों का अध्यरयन करलें। राजनैतिक दल या उम्मीदवार द्वारा चुनाव प्रचार में अन्य राजनैतिक दलों की नीतियों की आलोचना, कार्यक्रमों और कार्यों तक ही समिति होना चाहिए। व्यक्तिगत जीवन के ऐसे सभी पहलुओं की आलोचना नहीं करना चाहिए।जिसका संबंध अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के सार्वजनिक क्रियाकलाप से न हो। मत प्राप्त करने के लिए जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों या अन्य पूजा स्थलों का निर्वाचन प्रचार के लिए मंच के रूप में उपयोग नहीं होना चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमितकुमार तोलानी ने कहा कि जिले के संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर इन्टरनेट एवं वेब कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जाएगी। मतदान के दिन इन केन्द्रों पर न केवल जिलास्तर से बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त तक हर गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए वेब कास्टिंग का कार्य करवाया जा रहा हैं। साथ ही बार्डर चेक पोस्ट पर भी सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जा रहे है। एसपी श्री तोलानी ने सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सभी से उनका पालन सुनिरिचित करने का आग्रह किया। एडीएम सुश्री नेहामीना ने कहा, कि जिलास्तरीय मीडिया मानिटरिंग कमेटी द्वारा प्रतिदिन राजनैतिक खबरों और विज्ञापनों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जायेगी है। यदि किसी समाचार पत्र में पेड न्यूज पाई गई तो समिति संज्ञान में लेकर उसका खर्च अभ्यर्थी या पार्टी के खाते में जोड़ेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक न्यूज चैनलों की मानिटरिंग के लिए भी दल गठित किए गए हैं। प्रिंट मीडिया, केबल नेटवर्क या न्यूज चैनल पर खबर या विज्ञापन देने से पहले अभ्यर्थी जिलास्तरीय समिति से प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मास्टर टेनर्स डा.राजेश पाटीदार ने आयोग के जारी निर्देशानुसार पीपीटी के माध्यतम से आचरण सहिंता के बारे विस्ताडर से जानकारी दी।

सूफी गायिका आनंदिता बासु आज भजनों की प्रस्तुति देगी

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व प्रसिद्ध सूफी गायिका आनंदिता बासु दिनांक 10 अक्टूबर को मंदसौर में अपनी सूफी गायकी की प्रभावी प्रस्तुति देंगी। इस संबंध में सहज परिवार मंदसौर के समन्वयक श्री सनत जोशी ने बताया कि आनंदिता बासु दिनांक 10 अक्टूबर शाम 400 बजे मंदसौर पहुंचकर सर्वप्रथम भगवान पशुपतिनाथ जी के दर्शन करेंगे एवं शाम 7 बजे से माहेश्वरी धर्मशाला नयापुरा रोड पहुंचकर अपने सुंदर भजनों की प्रस्तुति देंगी। प्रोफेसर आनंदिता बासु सहज सूफी संगीत में एक जाना पहचाना नाम है। आनंदिता बासु 7 साल की उम्र से ही सहज योग से जुड़ी होकर सहज योग की प्रणेता परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी के सानिध्य में न केवल देश के विभिन्न शहरों में अपितु विदेशों में भी अपने कार्यक्रम दे चुकी हैं। संगीत के विभिन्न आयाम यथा कथक भरतनाट्यम तबला आदि में भी इन्होंने महारत हासिल की है। कोलंबिया में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय दूतावास के साथ मिलकर कला केंद्र फाउंडेशन की वे निर्देशक हैं एवं विगत 15 वर्षों तक कोलंबिया विश्वविद्यालय बोगाटा में भारतीय संगीत की प्रोफेसर रही हैं साथ ही कोलंबिया तथा दक्षिण अमेरिका में भारतीय संस्कृति और कला की स्थापना करने वाली पहली भारतीय हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद पुन: नियुक्ति अनुचित-चन्द्रे

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों में यहां तक की केंद्र सरकार के द्वारा अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पुन: नियुक्ति दी जाती है, यद्यपि उसकी कई शर्तें हैं, किंतु इस प्रकार की नियुक्ति करना पूर्णत: अनुचित होकर नवयुवा बेरोजगारों के साथ एक प्रकार का अन्याय है।

उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे ने कहा कि सरकार ने गजट नोटिफिकेशन मध्य प्रदेश राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 526/26-9-17 के जरिए सेवानिवृत्ति के बाद आधारित नियुक्तियों को न्यूनतम रखने का भी प्रस्ताव किया है। वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग की ओर से 13 अगस्त को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि कई मंत्रालय/विभाग केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सलाहकार रखने सहित अनुबंध पर पुन: नियुक्त करते हैं लेकिन अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन भुगतान संबंधी नियमों के दिशा निर्देश में कोई एकरूपता नहीं है। व्यय विभाग ने सेवानिवृत्त केंद्रीय कर्मचारियों की पुन: नियुक्ति पर उनको दिए जाने वाले वेतन के बारे में नियमों का मसौदा बनाया है। केंद्र सरकार ने कहा कि अनुबंध या ठेके पर काम कर रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वेतन के नियमनों में एकरूपता होनी चाहिए। दिशानिर्देशों के मसौदे में कहा गया है कि सेवाकाल के कामकाज के आधार पर उनकी पुन: नियुक्ति की जावे किंतु इस प्रकार की नियुक्ति न्यूनतम होनी चाहिए। मसौदे में कहा गया है कि इस तरह की नियुक्तियां आधिकारिक कामकाज की जरूरत तथा जनहित को देखते हुए की जानी चाहिए। वेतन के भुगतान पर इसमें कहा गया है कि इन कर्मचारियों को निश्चित मासिक वेतन दिया जाना चाहिए। यह वेतन उस कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के समय मिल रहे वेतन में से मूल पेंशन को काटकर निकाला जाना चाहिए। इसे उनका वेतन कहा जाना चाहिए।

श्री चन्द्रे ने उक्त विषय के संदर्भ में कहा कि, सेवानिवृत्ति के बाद सरकार पुन नियुक्ति को लेकर के जितनी चिंतित दिखाई दे रही है, उसे उससे ज्यादा चिंता बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए करना चाहिए। सेवानिवृत्ति के बाद यदि कोई पद खाली होता है जिसके कारण सरकार और जनता के कामकाज को लेकर अड़चन पैदा हो सकती है तो उन रिक्त पदों पर भले ही अनुबंध के आधार पर ही सही बेरोजगार क्वालिफाइड नवयुवकों को स्थान मिलना चाहिए। श्री चन्द्रे ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका से रिटायर्ड न्यायाधीशों की सेवाओं को कार्यपालिका में लेने का कोई औचित्य नहीं है किंतु सारे नियम और मर्यादाओं को ताक में रखकर न्यायाधीशों की पुन: नियुक्ति राज्य शासन और केंद्र शासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर की जाती है और यहां तक की सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के जजों को राजनीतिक नियुक्तियां भी प्रदान की जाती है जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के पूर्णता विरुद्ध है। मध्यप्रदेश सरकार सहित अन्य राज्यों की सरकारें और केंद्र सरकार को इस दिशा में कड़े कदम उठाना चाहिए तथा सेवानिवृत्ति के बाद पुन: नियुक्ति के प्रावधान को पूर्णता समाप्त कर देना चाहिए यदि ऐसा नहीं होता है तो जो बेरोजगार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते-करते बूढ़े हो जाते हैं उन्हें कभी भी नियुक्ति नहीं मिलेगी और जो बूढ़े हो चुके हैं और अधिक बुढे होने तक सेवाएं देते रहेंगे। यह एक प्रकार से सामाजिक न्याय, मानव अधिकार और न्याय सिद्धांत तथा भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध है। श्री चन्द्रे यह भी कहा कि, यदि यह व्यवस्था लंबे समय तक चलती है तो हम न्यायालय में इस व्यवस्था के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज करेंगे।

विश्व डाक दिवस स्कूली बच्चों और ग्राहकों के साथ मनाया

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गांव हो या शहर, देश हो चाहे विदेश आज भी पोस्टल सेवाएं हम सबको जोड़ने का सशक्त माध्यम है, विभिन्न चुनौती के बीच आज नेटवर्क, विश्वसनीयता और शीघ्र डिलीवरी के कारण पोस्ट ऑफिस कार्य और सेवाएं महत्वपूर्ण बनी हुई है यह कहा मंदसौर - नीमच जिले के वरिष्ठ संभागीय डाक अधीक्षक श्री जगदीश प्रसाद शर्मा ने।

विश्व डाक दिवस के साथ राष्ट्रीय डाक सप्ताह का शुभारंभ मंदसौर सिटी पोस्ट ऑफिस परिसर में विबोध प्रीस्कूल के बच्चों एवं गणमान्य जनों, ग्राहकों की उपस्थिति में किया गया। अधीक्षक श्री शर्मा ने संवाद करते हुए बताया कि इस साल की थीम 'भरोसे का साथ' (Together For Trust) रखी गई है। इसके अंतर्गत 13 अक्टूबर तक डाक विभाग की समाज के विभिन्न वर्गों के साथ गतिविधियों का आयोजन होगा। संभाग में अक्टूबर के आरंभ में 21 नई ब्रांच मंदसौर नीमच ज़िले में खोली गई है। अब संभाग में 319 ब्रांच पोस्ट ऑफिस की होगई हैं। इनके माध्यम से सभी वर्गों के लिये विभिन्न योजनाओं और पोस्टल सेवाएं प्रदान की जारही हैं। अधीक्षक श्री शर्मा ने विबोध स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि बड़ी अच्छी पहल है। भविष्य की पीढ़ी को प्रत्यक्ष रूबरू कराने से जागरूकता के साथ मजबूत आधार बनेगा। पोस्टल सप्ताह शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता करते हुए जनपरिषद जिला संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने कहा विश्व मे भारतीय पोस्टल सेवाएं सबसे बड़ी होकर डेढ़ लाख से अधिक पोस्ट ऑफिस के द्वारा संचालित होती है। विशेष अतिथि विबोध प्रीस्कूल प्रिंसिपल श्रुति बटवाल मंचासीन थीं। सिटी पोस्ट मास्टर श्री सत्यनारायण भावसार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संचालन किया। विबोध प्रीस्कूल प्रिंसिपल श्रुति बटवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि छोटे बच्चों में जिज्ञासा होती है, इसको ध्यान में रखकर ज्ञानवर्धन एवं जागरूकता के लिये सार्वजनिक सेवा क्षेत्रों निकायों में स्कूल बच्चों का भ्रमण कराते हैं। नगर पालिका, अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के अलावा पोस्ट ऑफिस भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कड़ी में विबोध के विद्यार्थियों ने सिटी पोस्ट ऑफिस विज़िट की। यह जानकारी के साथ जीवन में लाभकारी सिद्ध होगी।

पोस्ट मास्टर श्री भावसार ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अंतर्गत वित्तीय सशक्तिकरण दिवस, फिलाटेलिक दिवस, मेल्स एवं पार्सल दिवस, अंत्योदय दिवस आदि गतिविधियों के साथ मंदसौर नीमच जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। विद्यालयों में युवाओं में डाक टिकटों के प्रति रुझान, संग्रहकर्ता सेमिनार, डिजाइन प्रतियोगिता, समूह चर्चा आदि कार्यक्रम होंगे। साथ ही विभाग को योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों को कैम्प माध्यम से देंगे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	60	1883	2150
उडद	62	6701	9001
सोयाबीन	7700	3500	4620
गैहु	3300	2441	3065
चना	98	5311	6200
मसुर	211	5171	6152
धनिया	529	5200	6941
लहसुन	16000	6500	17200
मैथी	810	6099	7101
अलसी	2555	4501	4985
सरसो	398	4750	5300
तारामीरा	10	5070	5070
इसबगोल	18	16601	21399
प्याज	2885	501	2250
कलोंजी	48	10000	16700
डॉलर	11	5590	14600
तिल्ली	13	10900	15800
मटरसुखी	15	1501	3200
असालीया	18	8801	10180

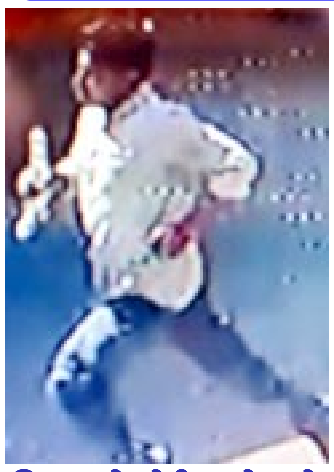

दिन दहाड़े चोरी करने वाले पर केस दर्ज, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

पिपलियामंडी, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दिन दहाडे घर से हुई चोरी के मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। चोर मकान के निकट लगे सीसीटीवी में भी कैद हुआ, इसका लोगों ने पीछा भी किया, लेकिन आरोपी पकड में नही आया। पिपलिया चोकी पर अग्रवाल मोहल्ला निवासी विजयकुमार पिता ओमप्रकाश अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार को दोपहर में मैं घर का ताला लगाकर बाजार किसी कार्य से गया था, 20 मिनट बाद बाद वापस आया तो घर के पीछे गेट से एक व्यक्ति पैदल भाग रहा था, पीछे का दरवाजा भी खुला था। घर में देखा तो अलमारी का ताला टूटा था, जिसमें 4 हजार रुपए नकदी, 7 चांदी के सिक्के नही थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 454, 380 में केस दर्ज किया।

भाजपा में चर्चाओं पर विराम...

यशपाल, देवड़ा और हरदीपसिंह फिर मैदान में

भाजपा की चौथी सूची में तय हुए नाम, गरोठ पर असमंजस

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कैलाश विजयवर्गीय और नरेंद्रसिंह तोमर को टिकीट मिलने के बाद यशपालसिंह सिसौदिया और जगदीश देवड़ा के टिकीट को लेकर चल रही चर्चाओं को लेकर आखिरकार सोमवार को विराम लग गया। भाजपा ने अपनी चौथी सूची में कुल 57 प्रत्याशियों की घोषणा की है। जिसमें मंदसौर से यशपालसिंह सिसौदिया, सुवासरा से हरदीपसिंह डंग और मल्हारगढ़ से जगदीश देवड़ा को फिर से मैदान में उतारा है। इधर जावद से एक बार फिर ओमप्रकाश सकलेचा को प्रत्याशी बनाया गया है।

वहीं रतलाम से चेतन्य काश्यप फिर से मैदान संभालेंगे।

सोमवार शाम को टिकीट की घोषणा की गई। इसके पहले चर्चाओं का बाजार लंबे समय से गर्म था। सांसद सुधीर गुप्ता को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चाओं से कहीं न कहीं सिसौदिया समर्थक थोड़े ऊपर-नीचे हो रहे थे। इधर जगदीश देवड़ा को मल्हारगढ़ की बजाय आलोट से टिकीट दिए जाने की चर्चाएं चल रही थी। हालांकि प्रत्याशियों की घोषणा के बाद चर्चाओं पर विराम लग गया।

दोनों लगा चुके हैं हैट्रिक...

यशपालसिंह सिसौदिया और जगदीश देवड़ा अपनी-अपनी विधानसभा से तीन बार लगातार जीतकर हैट्रिक लगा चुके हैं। मल्हारगढ़ सीट तो कांग्रेस की उन सीटों में चिन्हित है, जहां उसे लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सुवासरा से हरदीपसिंह डंग भी तीन चुनाव लगातार जीत चुके हैं। इसमें दो कांग्रेस की तरफ से तो तीसरा उपचुनाव भाजपा के टिकीट पर जीते हैं।

आचार संहिता लगते ही कलेक्टर-एसपी मैदान में उतरे

कई जगहों पर चेकिंग, उतरवाए बैनर-पोस्टर

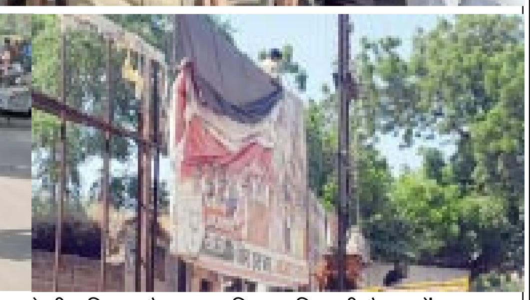

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आचार संहित लगते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मैदान में उतर गए। एसपी अनुराग सुजानिया और कलेक्टर दिलीप यादव ने शहर में चेकिंग सहित अन्य कार्यवाईयों का जायजा लिया। शहर से बैनर पोस्टर भी हटवाए गए। इसके अलावा वाहनों की चेकिंग का काम भी शुरु हो गया। सभी थाना क्षेत्रो में वाहनों की चेकिंग शुरु कर दी गई है। वहीं वाहनों पर लगी अनाधिकृत प्लेट को भी हटाने का काम शुरु हो चुका है।

स्वच्छता सर्वेक्षण की प्रारंभिक गाइडलाइन हुई जारी...

इस बार कठिन है रास्ता

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए प्रारंभिक गाइडलाइन जारी कर दी है। यह नौवां संस्करण है। इस बार थीम आर 3 रखी गई है। अर्थात अब नगरीय निकायों को रीड्यूस रीसाइकिल रीयूज पर काम करते हुए कचरा निस्तारण के सिद्धांत को अपनाना होगा। इस बार भी परीक्षा चार चरणों में होकर कुल 9 हजार 500 अंकों की ही होगी। वैसे स्वच्छ सर्वेक्षण अप्रैल 2023 से शुरु हो गया और मार्च 2024 तक चलेगा। इसका असेसमेंट जुलाई 2023 से मई 2024 तक के बीच होगा। सर्विस लेवल प्रोग्रेस पैरामीटर्स अब तीन की जगह छह भागों में बांटते हुए अंक भी 4 हजार 830 से बढ़ाकर 5 हजार 705 कर दिए है। ऐसे में इस बार परीक्षा और कठिन होगी और प्रत्येक पैरामीटर का पालन करना होगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का परिणाम तो दूर अब तक थ्री स्टार रेटिंग के लिए जीएफसी (गार्बेज फ्री सिटी) सर्वे नहीं हुआ है। जीएफसी सर्वे होगा या नहीं यह तय नहीं है। इसके पहले ही केंद्र सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए प्रारंभिक गाइडलाइन जारी कर दी है। चार फेज में होने वाले सर्वे के पहले दो चरण केवल स्थानीय स्तर पर साफ सफाई और जनता की सुविधाओं को लेकर है, जो सितंबर तक खत्म हो चुका है और नवंबर अंत तक इनका असेसमेंट होना है। जबकि, तीसरा चरण प्रोसेसिंग फेसिलिटी पर ध्यान देना है। सबसे महत्वूर्ण चौथा फेज होगा, इसमें फील्ड असेसमेंट होकर मुख्य सर्वे अप्रैल-मई 2024 में होगा।

76 गौवंश मुक्त कराए, चार ट्रक सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

अवैध शराब भी मिली

दलौदा, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने राजमार्ग स्थित दलौदा तहसील कार्यालय के सामने से चार वाहनों में भरकर ले जाए जा रहे 76 गौवंश को मुक्त कराया है। पुलिस ने वाहनों से कच्ची शराब भी जब्त की है। मामले में पांच आरोपियों को पकड़ा है।

दलौदा थाना पुलिस ने बताया कि ट्रक क्रमांक आरजे 14 जीके 1301 को रोककर तलाशी ली। जिसमें 13 बैल अवैध रूप से निर्दयता पूर्वक ले जाए जा रहे थे। पुलिस ने ट्रक से 60 लीटर शराब जब्त की। इस मामले में चेनाराम पिता मानाराम निवासी डिगांल जिला डिड्वाना राजस्थान और नरेंद्र पिता श्रवणराम निवासी डिगाल जिला डिडवाना राजस्थान को गिरफ्तार किया है। इसी तरह से ट्रक क्रमांक आरजे 23 जीए 5289 से कुल 11 बैलों को मुक्त कराया है। इस ट्रक से 60 लीटर शराब जब्त की गई है। इस वाहन से हिराराम पिता मोहनराम निवासी जेसलान जिला डिडवाना राजस्थान और पप्पूराम पिता डुंगाराम निवासी जेसलाना जिला डिडवाना राजस्थान को पकड़ाा है। जबकि, ट्रक क्रमांक आरजे 14 जीके 2924 से बारह बैलों को मुक्त कराया गया है। इस ट्रक से भी 60 लीटर शराब जब्त की गई है। इस मामले में रमेश जाट पिता जयप्रकाश जाट निवासी जेतपुरा जिला जयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गौवंश अधिनियम और आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

आचार संहिता लगते ही स्थाई वारंटी गिरफ्तार

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव आचार संहिता लागु होते ही यशोधर्मन थाना पुलिस ने कार्रवाही करते हुए वर्षो से फरार स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। टीआई संदीप मंगोलिया थाना प्रभारी थाना वायडी नगर ने बताया की अनिस उर्फ जब्बार पिता काले खां उम्र 55 साल निवासी जावरा, गणपत पिता रामलाल राठौर जाति तेली उम्र 22 साल निवासी सावा चित्तोडगढ राज, हा.मु. रिंगनोद धार की थाना वायडी नगर पुलिस तलाश कर रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी संदीप मंगोलिया के द्वारा पुलिस टीम बनाई गई। मुखबीर सूचना पर अलग- अलग स्थान पर फरारी काट रहे दो स्थाई वारंटियो को थाना वायडी नगर पुलिस टीम द्वारा अलग अलग स्थानो पर दबीश देकर गिरफ्तार किया गया।

पत्रकार के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

नीमच, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती स्वागिता पूर्णेश श्रीवास्तव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच द्वारा पत्रकार के साथ मारपीट कर उसकी नाक की हड्डी तोडकर गंभीर चोट पहुंचाने वाले आरोपी प्रदीप पिता भगवत नारायण जाटव, उम्र-44 वर्ष, निवासी-धनुका मोहल्ला, जिला नीमच को धारा 325/34 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2000रू अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री चंद्रकांत नाफडे द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 6 वर्ष पुरानी होकर दिनांक 01 जून 2017 की रात्रि के लगभग 8 बजे अचारी फंटा, धनिया गोदाम के पास, नीमच की हैं। फरियादी विश्वजीत भट्ट पत्रकार होकर ग्राम महागढ, जिला नीमच का निवासी हैं। फरियादी के पास उसके मित्र सुरेन्द्रसिंह का फोन आया था कि वह उसे अचारी फंटे से आकर ले जाये। फरियादी जब अचारी फंटे पर मोटरसायकल से सुरेन्द्रसिंह को लेने पहुंचा तो वहां उसे सुरेन्द्रसिंह के साथ प्रदीप जाटव व वसीम अली भी आते हुए दिखाई दिये। फरियादी जब सुरेन्द्रसिंह को मोटरसाईकल पर बिठाने लगा तब आरोपीगण प्रदीप व वसीम फरियादी के साथ विवाद करने लगें उसके बाद फिर प्रदीप ने फरियादी के हाथ पकड लिये और वसीम ने फरियादी के मुंह मुक्कों से मारपीट करी, जिस कारण फरियादी के नाक की हड्डी टूट गई थी। फरियादी घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना बघाना पर करी, जिस पर से अपराध क्रमांक 96/2017 की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। पुलिस बघाना द्वारा विवेचना उपरांत अभियोग पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान ही आरोपी वसीम अली के फरार हो जाने से आरोपी प्रदीप के संबंध में विचारण उपरांत यह निर्णय पारित किया गया। अभियोजन द्वारा न्यायालय के समक्ष विचारण के दौरान फरियादी विश्वजीत एवं चश्मदीद साक्षी सुरेन्द्रसिंह सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराये गये। साक्षी सुरेन्द्रसिंह द्वारा घटना का समर्थन नहीं किया गया, इसके उपरांत भी फरियादी की साक्ष्य को विश्वसनीय मानकर उसके आधार पर आरोपी के विरुद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराया जाकर आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिससे सहमत होकर न्यायालय द्वारा आरोपी उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री चंद्रकांत नाफडे. द्वारा की गई।

जादू टोना करने के बहाने बुलाकर किया दुष्कर्म, प्रकरण दर्ज

शामगढ़, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिलाओं पर अन्याय के मामले कम नहीं हो रहे हैं। जिले में सोमवार को एक बार फिर महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। जिसमें आरोपी ने महिला को जादू- टोना करने के बहाने बुलाया और उसे अकेला पाकर छेड़छाड कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। यह जानकारी देते हुए थाना प्रभारी एन.एस. मरावी ने बताया कि 2 अक्टूबर को शामगढ़ के निकट स्थित ग्राम चंदवासा प्राचीन तीर्थ धर्मराजेश्वर में एक महिला को आरोपी सुरेश नाथ पिता रादु नाथ निवासी तोलाखेडी धर्मराजेश्वर पुजारी ने जादू -टोना, टोटका करने के लिए बुलाया। इस दौरान महिला के साथ बच्चा भी था। लेकिन पुजारी ने चालाकी दिखाते हुए बच्चे को नारियल चढ़ाने के बहाने दूर भेज दिया और महिला को गुफा के अंदर ले जाकर वहां छेड़खानी की और बाद में दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा धारा 376, 342, 506 का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस आरोपी को तलाश रही है।

सभी अधिकारी, कर्मचारी, सेक्टर, आरओ आदर्श आचरण संहिता का अक्षरश: पालन करें-कलेक्टर

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने सभी जिलाधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के साथ एक विशेष बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने सभी को निर्देश देते हुए कहा कि आदर्श आचरण संहिता आज से प्रभावी हो चुकी हैं। इसका अक्षरश: पालन किया जाए। सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस, आरओ,

एआरओ का चुनाव के दौरान बहुत ही महत्वपूर्ण काम होता है। यह सभी अधिकारी व्यय लेखा टीम के साथ में समन्वय करके काम करें। साथ ही चुनाव के सभी कार्यों को गंभीरता से लेवे। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस एक साथ में सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी करेंगे। अच्छे से चुनाव हो इसके लिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

संपत्ति विरूपण के संबंध में युद्ध स्तर पर कार्यवाही प्रारंभ करें। कहीं पर भी दीवार लेखन, पोस्टर बैनर नहीं दिखना चाहिए। वाहनों पर लगे नेमप्लेट एवं हुटर पर भी कार्यवाही करें। कोई भी शासकीय गेस्ट हाउस राजनीतिक दलों के व्यक्ति उपयोग नहीं कर सकेंगे। सभी अधिकारी, कर्मचारी सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखें तथा सोशल मीडिया पर कोई भी गैर कानूनी पोस्ट ना करें। गैर कानूनी पोस्ट करने पर सख्त कार्रवाई होगी। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर विशाल सिंह चौहान मौजूद थे।

राजेश को थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रे ट नीमच श्री दिनेश जैन व्दारा राज्यक सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत अनावेदक राजेश पिता धुरालाल कीर निवासी रावतपुरा थाना मनासा को सदाचार बनाये रखने के लिए 6 माह तक सप्ता ह में एक दिन (थाना प्रभारी व्दा रा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

नन्दराम जोकचन्द्र के निधन पर जताया शोक

पिपलियामंडी, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस नेता श्यामलाल जोकचन्द्र के पिता नन्दराम जोकचन्द्र के निधन पर संतों, नेताओं व जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठन कार्यकर्ताओं ने उनके निवास पहुंच शोक जताया।

कथा प्रवक्ता व संत मिथिलेश मेहता, प्रीतम महाराज व गोपालकृष्ण शास्त्री, छोटीसादडी प्रधान विक्रम आंजना, पूर्व विधायक मनासा विजेन्द्रसिंह मालाहेड़ा, मंदसौर जनपद के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य जगदीश धनगर फौजी, जिप के पूर्व सदस्य ओमसिंह भाटी, धनेरियाकला सरपंच राजेश राठौर, कांग्रेस नेता प्रकाश ररोतिया व बगदीराम यादव आलोट, सुसनेर भाजपा मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम सूर्यवंशी, पिपलिया नप अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, युवा कांग्रेस नेता तरुण बाहेती जीरन, मंदसोर नप के पूर्व अध्यक्ष हनीफ शेख, नाहरगढ़ ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, मनासा नप के पूर्व अध्यक्ष रामप्रसाद कसेरा, पिपलिया मार्केटिंग के पूर्व अध्यक्ष शरद जैन, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि मनजीतसिंह टुटेजा, मल्हारगढ़ जनपद उपाध्यक्ष फकीरचन्द धनगर सहित बडी संख्या में राजनैतिक व सामाजिक संगठन पदाधिकारी, समाजसेवी व गणमान्य नागरिकों ने शोक संवेदना जताई।

भेरुलाल को बनाया सेवादल युवा संगठन अध्यक्ष

पिपलियामंडी, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेवादल कांग्रेस के युवा जिलाध्यक्ष पंकज सतीदासानी ने सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीलाल देसाई, प्रदेश अध्यक्ष योगेश यादव, युवा प्रदेशाध्यक्ष गजानन्द तिवारी के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन की सहमति से मल्हारगढ ब्लाक कांग्रेस सेवादल युवा संगठन अध्यक्ष पद पर भेरुलाल (पप्पू) गुर्जर को नियुक्त किया।

दिवाली के 5 दिन बाद फिर...

पेज 1 से जारी

घोषणा हो गई है। इन राज्यों में चुनावी प्रक्रिया 27 दिन चलेगी। सबसे पहले मिजोरम में 7 नवंबर को मतदान होगा। इसके बाद मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में 7 नवंबर और 17 नवंबर को वोटिंग होगी। फिर 23 नवंबर को राजस्थान और 30 नवंबर को तेलंगाना में वोट डाले जाएंगे। सभी 5 राज्यों में एक साथ 3 दिसंबर को रिजल्ट आएंगे। मध्यप्रदेश में अभी भाजपा सत्ता में है, तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। तेलंगाना में केसीआर की पार्टी बीआरएस की तो वहीं मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है।

प्रदेश में पिछले 3 चुनाव शेड्यूल पर नजर डाले तो इस बार वोटिंग और काउंटिंग जल्द हो रही है। इस बार 17 नवंबर को वोटिंग और 3 दिसंबर को काउंटिंग होगी। जबकि, इससे पहले 2013 में 25 नवंबर को वोट डाले गए थे, वहीं 8 दिसंबर को नतीजे आए थे। वर्ष 2008 के चुनाव में भी 8 दिसंबर को ही नतीजे आए थे।

350 वोटर्स के लिए भी बनेगा पोलिंग बूथ–मध्यप्रदेश में देवगांव और मंडला जिले के बिछिया में 350 वोटर्स के लिए बूथ बनाया जाएगा। ये बूथ हेडक्वॉर्टर्स से 40 किमी दूर है। मध्यप्रदेश में ही नंदिया और नर्मदापुरम के पिपरिया में जिला मुख्यालय में 165 किमी दूर पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। पोलिंग पार्टी को देनवा नदी पार करके जाना होगा। इसके पहले उसे अलग गाड़ी से देनवा के किनारे तक पहुंचाया जाएगा।

राजनैतिक दल आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन करें-जैन

कलेक्टर की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

नीमच, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी राजनैतिक दलों तथा अभ्यर्थियों को आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए है। आयोग के निर्देशानुसार किसी भी दल के अभ्यर्थी को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जो कि विभिन्न जातियों और धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच विद्यमान मतभेदों को बढ़ाए या घृणा की भावना उत्पन्न करें या तनाव पैदा करें। कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने उक्त जानकारी सोमवार 8 अक्टूबर 2023 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में दी और उनसे जिले में आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करवाने में सहयोग का आग्रह किया है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू, डॉ. राजेश पाटीदार एवं रिटर्निंग आफीसर तथा राजनैतिक दलों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रचार के लिए धर्म स्थलों का उपयोग न हो– बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने आदर्श आचरण सहिता के प्रमुख बिन्दुओं से अवगत कराते हुए कहा कि किसी दल या उम्मीदवार द्वारा चुनाव प्रचार में अन्य राजनैतिक दलों की नीतियों की आलोचना, कार्यक्रमों और कार्यो तर्क ही समिति होना चाहिए। व्यक्तिगत जीवन के ऐसे सभी पहलुओं की आलोचना नहीं करना चाहिए जिसका संबंध अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के सार्वजनिक क्रियाकलाप से न हो। मत प्राप्त करने के लिए जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों या अन्य पूजा स्थलों का निर्वाचन प्रचार के लिए मंच के रूप में उपयोग नहीं होना चाहिए।

संवेदनशील केन्द्रों पर रहेगी निगरानी:– बैठक में बताया गया, कि जिले के संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर इन्टरनेट एवं वेब कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जाएगी। मतदान के दिन इन केन्द्रों पर न केवल जिलास्तर से बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त तक हर गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए वेब कास्टिंग का कार्य करवाया जा रहा हैं। साथ ही बार्डर चैक पोस्ट पर भी सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जा रहे है। सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सभी दलों से उनका पालन सुनिशिचित करने का आग्रह किया गया।

पेड न्यूज़ पर निगरानी प्रारंभ– आयोग सख्त–कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि जिलास्तरीय मीडिया मानिटरिंग कमेटी द्वारा प्रतिदिन राजनैतिक खबरों और विज्ञापनों की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। यदि किसी समाचार पत्र में पेड न्यूज पाई गई तो समिति संज्ञान में लेकर उसका खर्च अभ्यर्थी या पार्टी के खाते में जोड़ेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रा निक न्यूज चैनलों की मानिटरिंग के लिए भी दल गठित किए गए है। सोशल मीडिया, केबल नेटवर्क या न्यूज चैनल पर विज्ञापन देने से पहले अभ्यर्थी को जिलास्तरीय समिति से प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

भ्रष्ट आचरण से बचे–जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जैन ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से कहा है, कि वे ऐसे कार्यो से बचें जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचारण और अपराध हो जैसे मतदाताओं को रिश्वत देना, मतदान केन्द्र के 100 मीटर के भीतर मत सत्यापन करना, मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय को समाप्त होने वाली 24 घन्टे के दौरान सामाजिक सभाएं करना और मतदाताओं को सवारी से मतदान केन्द्रों तक ले जाना और वहां से वापस लाना।

सभा एवं जुलूस की अनुमति जरुरी:– मास्टर ट्रेनर्स डा. राजेश पाटीदार ने कहा कि राजनैतिक दलों या अभ्यर्थियों को किसी व्यक्ति के विचारों या कार्यों के विरोध करने के लिए उनके घरों के सामने प्रदर्शन आयोजित करने या धरना देने के तरीकों का सहारा, किसी भी परिस्थिति में नहीं लेना चाहिए। दलों और अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए, कि उनके समर्थक अन्य दलों द्वारा आयोजित सभा स्थल से होकर जुलूस नहीं ले जाना चाहिए, जिन स्थानों पर दूसरे दल द्वारा सभाएं की जा रही हो। किसी प्रस्तावित सभा के स्थान और समय के बारे में सक्षम प्राधिकारियों को उपयुक्त समय पर सूचना देना जरूरी होगा। जहां सभा करने का प्रस्ताव है, वहां कोई प्रतिबंधात्मक आदेश हो, तो उसका कड़ाई से पालन करना आवश्यक है। यदि कोई छूट अपेक्षित हो, तो दल या अभ्यर्थी को संबंधित सक्षम प्राधिकारी के पास आवेदन देकर अनुमति प्राप्त कर लेनी चाहिए। प्रस्तावित सभाओं में लाउडस्पीकर की अनुमति लेना भी जरूरी है। जुलूस का आयोजन करने वाले दल या अभ्यर्थी को पहले ही यह तय कर लेना चाहिए कि जुलूस किस समय और किस स्थान से शुरू होगा और किस मार्ग से होकर जाएगा। जुलूस का इंतजाम भी ऐसे ढंग से करने के निर्देश दिए गए कि यातायात में कोई रुकावट या बाधा उत्पन्न न हो।

निर्वाचन प्रक्रिया की दी जानकारी– मास्टर टेनर्स डॉ.राजेश पाटीदार ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को नामांकन दाखिल करने उसके साथ लगने वाले शपथ-पत्र सभा आमसभा, जुलूस आदि की अनुमति लेने, निर्वाचन व्यय लेखे के संधारण, चुनाव अवधि के दौरान संधारण आचरण प्रवार वाहनों पर लाउड स्पीकर के उपयोग, सभाओं और जुलूस संबंधी निर्देश मतदान के 48 घन्टे पूर्व जनसभाओं, लाउड स्पीकर के उपयोग, संबंधी निर्देश, नाम निर्देश पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, मतदान अभिकर्ता की नियुक्ति, डमी केन्डीडेट के बारे में जानकारी, विज्ञापन का प्रचार सामग्री का मुद्रण, शासकीय स्थानों पर पोस्टर, बैनर, नारा लेखन आदि बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की शंकाओं, जिज्ञासाओं और प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

दशपुर विद्यालय के दो छात्रों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 9 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभागीय प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दशपुर विद्यालय के दो छात्र भानुप्रतापसिंह राठौड कक्षा 12वीं का चयन लेदरबॉल बालक 19 वर्ष- क्रिकेट प्रतियोगिता में व मोहित तंवर कक्षा-9वीं का चयन फुटबाल बालक 17 वर्ष प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 10/10/2023 से 15/10/2023 तक सीधी में आयोजित की जावेगी। उक्त जानकारी विद्यालय के खेल प्रशिक्षक श्री नवीन खोखर ने दी। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य प्रींस वी थॉमस, सुपरवाईजर हकीम प्रसाद शर्मा, विद्यालय के खेल प्रशिक्षक देवेन्द्र बैरागी, जयविजय, आकाश गाजवा, नवम देवकोटा आदि ने बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विनोद भाटी, एडवोकेट

कार्यालय-शुक्ला हॉस्पिटल के पास शुक्ला चौक, मंदसौर, जिला मंदसौर मोबाईल - 9329594195, 9425106540

दिनांक 06/10/2023

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता हैं कि मेरे पक्षकार द्वारा सौरभ रत्नावत पिता नरनारायण रत्नावत नि-डी-8, आदिनाथ विहार वार्ड नं.3 मंदसौर से उनके आधिपत्य व अभिनव जैन पिता धर्मचंद जी जैन निवासी कोठारी भवन जीवागंज मंदसौर के स्वामित्व की भूमि सर्वे नं.3108 रकबा 0.13 हे.प.ह.नं. 25 जो कस्बा मंदसौर जिसकी चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नवत हैं (जिसमें से 30×50-30×50 के विक्रय) पश्चात बचे शेष रकबे को क्रय करने का अनुबंध किया जाकर अग्रिम राशि अदा कर दी हैं। तथा जल्द ही मेरे पक्षकार द्वारा बकाया राशि अदा कर उक्त भूमि के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने हक में करवाया जा रहा हैं। उक्त भूमि के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, आदि को यदि कोई आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद अवधि गुजरने पर मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूखण्ड के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने हक में करवा लिया जावेगा। जिसके पश्चात कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो।

भूमि रकबा 0.13 की चतुर्सीमा- पूर्व में -इसी सर्वे नंबर की शेष भूमि, पश्चिम में - नाला, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-सर्वे नं.3111 की राजेन्द्रसिंह गौतम की भूमि।

भवदीय

विनोद भाटी एडवोकेट, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in